Series E1GFH/3 **Set No. 2**

प्रश्न-पत्र कोड **2/3/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट

(I)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
(II)	प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
(III)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
(IV)	**कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
(V)	इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** ।

(iii) **खण्ड अ** में **45** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** उप-प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश से संबंधित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काव्यांश – 1

(क) वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर ।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें, आगे क्या होता है ।
मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भीषण विध्वंस बचाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये,
पांडव का संदेशा लाये ।
'दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रक्खो अपनी धरती तमाम ।
हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे ।
दुर्योधन वह भी दे न सका,
आशीष समाज की ले न सका,
उलटे हरि को बाँधने चला,
जो था असाध्य, साधने चला ।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है ।'

https://www.evidyarthi.in/

(i) कठिनाइयों और संघर्षों को सहन कर पांडवों में किस प्रकार का बदलाव आया ?

(a) मनोबल टूट गया (b) व्यक्तित्व निखर गया

(c) हिम्मत टूट गई (d) मजबूत हो गए

(ii) भगवान हस्तिनापुर क्यों आये थे ?

(a) युद्ध टालने के लिए (b) सबकी कुशल-क्षेम जानने

(c) पांडवों का संदेश लेकर (d) दुर्योधन से बात करने

(iii) 'तो दे दो केवल पाँच ग्राम' — पंक्ति में निहित जीवन मूल्य है :

(a) संतोष (b) त्याग

(c) प्रेम (d) करुणा

(iv) 'परिजन पर असि न उठायेंगे' — पंक्ति में प्रयुक्त 'असि' का क्या अर्थ है ?

(a) तीर-धनुष (b) गदा

(c) तलवार (d) भाला

(v) विवेक के मर जाने से क्या होता है ?

(a) मनुष्य का नाश होता है

(b) मनुष्य भ्रमित हो जाता है

(c) ग़लत कार्य करने की प्रेरणा

(d) असामाजिक कार्य की ओर प्रेरित

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) 'मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब उसे तोल सकता है धन ?
धरती की तो है क्या बिसात ?
आ जाय अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्योछावर कर दूँ

https://www.evidyarthi.in/

कुरुपति के चरणों पर धर दूँ ।
सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ,
उस दिन के लिए मचलता हूँ,
यदि चले वज्र दुर्योधन पर,
ले लूँ बढ़कर अपने ऊपर ।
कटवा दूँ उसके लिए गला,
चाहिए मुझे क्या और भला ?
सम्राट बनेंगे धर्मराज,
या पाएगा कुरुराज ताज,
लड़ना भर मेरा काम रहा,
दुर्योधन का संग्राम रहा
मुझको न कहीं कुछ पाना है,
केवल ऋण मात्र चुकाना है ।
कुरुराज्य चाहता मैं कब हूँ ?
साम्राज्य चाहता मैं कब हूँ ?
क्या नहीं आपने भी जाना ?
मुझको न आज तक पहचाना ?
जीवन का मूल्य समझता हूँ,
धन को मैं धूल समझता हूँ ।
धनराशि जोगना लक्ष्य नहीं
साम्राज्य भोगना लक्ष्य नहीं'

(i) काव्यांश में 'अनमोल रतन' का क्या अर्थ है ?
   (a) जिसका मूल्य बहुत अधिक हो
   (b) जिसका मूल्य आँका न जा सके
   (c) जिसका मूल्य नापा न जा सके
   (d) जिसका मूल्य जाँचा न जा सके

https://www.evidyarthi.in/

(ii) किस पर स्वर्ग न्योछावर करने की बात की गई है ?

(a) मित्रता पर (b) धरती पर

(c) धन पर (d) राज्य पर

(iii) काव्यांश में वक्ता द्वारा युद्ध में सम्मिलित होने का कारण है :

(a) साम्राज्य प्राप्ति (b) कर्तव्यपरायणता

(c) ऋण चुकाना (d) वीरता-प्रदर्शन

(iv) 'सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ' — पंक्ति में 'स्कंध' का क्या अर्थ है ?

(a) हथेली (b) तलवार

(c) कंधा (d) गला

(v) धन को धूल समझने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(a) जीवन का अस्थायित्व (b) अनुपयोगी होना

(c) महत्त्वहीन होना (d) दूसरा लक्ष्य होना

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : *10×1=10*

समाज में, परिवार में विविध कुल परंपराओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता । हमारे वयोवृद्ध ही इन संस्कृतियों एवं परंपराओं के वाहक होते हैं और इनसे भलीभाँति परिचित होते हैं । वयोवृद्ध परिवार के तरुण सदस्यों को धर्मोन्मुख करते हैं, धार्मिक विधि-विधानों का महत्त्व समझाते हैं । वे भौतिकता और आध्यात्मिकता में संतुलन कायम करना सिखाते हैं । वे ही परिवार में शांति के उपाय, लोक-व्यवहार, रीति-नीति आदि के बारे में सद्गुण विकसित करने में सहायक होते हैं और संस्कारों की नींव रखते हैं । अतः किसी भी कारणवश परिवार के वृद्धजनों का अनादर एवं अपमान नहीं होना चाहिए । तरुणों का यह परम कर्तव्य हो जाता है कि वे उनकी भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ और उनके मान-सम्मान में कोई कमी न आने दें तथा उनकी सुरक्षा कोमलता से करें । भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं जिसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा एवं उनका तिरस्कार है । बुजुर्गों को दरकिनार करने से आज परिवारों में कलह-क्लेश, दुख-संताप बढ़ रहा है । भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं । मानसिक अशांति बढ़ रही है, रोग-शोक बढ़ रहे हैं । परिवार के तरुण सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे परिवार के

https://www.evidyarthi.in/

वृद्धजनों को अपने से अलग न करें एवं उनका यथोचित मान-सम्मान करें । परिवार, समाज की कसौटी पर खरी उतरने वाली धारणाओं, मान्यताओं एवं परम्पराओं को तोड़ने-मोड़ने का या उनकी अनदेखी करने का प्रयास कदापि न करें । संस्कार वहीं अच्छे होंगे जहाँ बुजुर्गों का, माँ-बाप का मान-सम्मान करते हुए उनके द्वारा निर्देशित संस्कृति एवं परंपराओं का ध्यान रखा जाएगा । बुजुर्ग जीवन के मूल्यों को जानने वाले होते हैं । उनका भी कर्तव्य है कि वे परिवार के हर मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप इसलिए न करें कि वे बुजुर्ग हैं । उनको भी हृदय की विशालता बनाए रखने में संकोच नहीं करना चाहिए ।

(i) वृद्धजनों को संस्कारों और रीतिरिवाजों का वाहक क्यों माना जाता है ?

(a) क्योंकि वे जीवन-मूल्यों को जानने वाले होते हैं

(b) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं

(c) क्योंकि वे निष्ठा और लगन से इनका पालन करते हैं

(d) क्योंकि वे जीवन में इनके महत्त्व से परिचित हैं

(ii) संस्कार संबंधी पारिवारिक परंपराओं के समाप्त होने का कारण है :

(a) संयुक्त परिवारों का विघटन

(b) भौतिकतावाद का बढ़ता प्रचलन

(c) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(d) व्यस्त जीवन-शैली

(iii) वृद्ध व्यक्तियों को परिवार की धुरी क्यों माना जाता है ?

(a) भौतिक जीवन-शैली के दुष्परिणामों से अवगत कराने के कारण

(b) परिवार में सद्‌गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण

(c) जीवन के लंबे अनुभव और ज्ञान के कारण

(d) परंपराओं और संस्कारों का सम्मान करने के कारण

(iv) वृद्धजनों का अनादर करने के परिणामों के विषय में कौन-सा कथन ***असत्य*** है ?

(a) सामाजिक व पारिवारिक विघटन

(b) समाज और परिवार में कुव्यवस्था

(c) परिवार में कलह-क्लेश, दुःख-संताप

(d) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन

https://www.evidyarthi.in/

(v) बुजुर्गों के प्रति बढ़ती उपेक्षा और तिरस्कार का कारण है :

(a) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(b) भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव

(c) बुजुर्गों का अनावश्यक हस्तक्षेप

(d) बुजुर्गों में संयम की कमी

(vi) भौतिक सुख-सुविधा के साधनों की वृद्धि ने जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्या दुखद स्थितियाँ दी हैं ?

(a) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ

(b) व्यस्त जीवन-शैली

(c) धन-दौलत का अंबार

(d) जीवन का एकाकीपन

(vii) युवाओं को वृद्धों के साथ क्या नहीं करना चाहिए ?

(a) वृद्धों का अनादर और अपमान

(b) वृद्धों की कोमलता से सुरक्षा

(c) वृद्धों को परिवार का महत्त्वपूर्ण सदस्य मानना

(d) वृद्धों द्वारा निर्देशित परंपराओं का पालन करना

(viii) पारिवारिक विघटन को रोकने के लिए गद्यांश में वृद्धों से क्या अपेक्षा की गई है ?

(a) एकांत में रहकर ईश्वर में ध्यान लगाना

(b) परंपराओं और मान्यताओं को युवाओं पर न थोपना

(c) युवाओं की समस्याओं को सुनना और सुलझाना

(d) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना

(ix) 'भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं ।' — पंक्ति का आशय है :

(a) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ-प्रधान बना दिया है

(b) भौतिक जीवन-शैली ने हमें धर्म-प्रधान बना दिया है

(c) भौतिक जीवन-शैली ने हमें भाव-प्रधान बना दिया है

(d) भौतिक जीवन-शैली ने हमें कर्म-प्रधान बना दिया है

https://www.evidyarthi.in/

(x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं ।

कारण (R) : भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव सर्वत्र हावी हो रहा है ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

यह बृत्तांत दसानन सुनेऊ ।
अति बिषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा ।
बिबिध जतन करि ताहि जगावा ।।
जागा निसिचर देखिअ कैसा ।
मानहुँ कालु देह धरि बैसा ।।
कुंभकरन बूझा कहु भाई ।
काहे तव मुख रहे सुखाई ।।
कथा कही सब तेहिं अभिमानी ।
जेहि प्रकार सीता हरि आनी ।।

https://www.evidyarthi.in/

(i) दसानन के बार-बार सिर धुनने का क्या कारण था ?

(a) सहयोग नहीं मिलना

(b) संकट से नहीं निकलना

(c) वैद्य द्वारा लक्ष्मण का उपचार करना

(d) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना

(ii) अत्यधिक शोक से बेचैन होकर रावण किसके पास गया ?

(a) मेघनाद (b) विभीषण

(c) कुंभकरण (d) मंदोदरी

(iii) कुंभकरण को असमय जगाने के पीछे रावण की क्या मनोदशा रही होगी ?

(a) कुंभकरण को स्वयं से श्रेष्ठ मानना

(b) कुंभकरण से दिल की बात करना

(c) कुंभकरण को युद्ध में भेजना

(d) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा

(iv) 'जागा निसिचर देखिअ कैसा' पंक्ति में 'निसिचर' से किसे संबोधित किया गया है ?

(a) रावण को (b) कुंभकरण को

(c) राक्षस को (d) रात में चलने वाले को

(v) कुंभकरण ने रावण से क्या पूछा ?

(a) सीता हरण का कारण (b) अपने पास आने का कारण

(c) दुखी होने का कारण (d) स्वयं को जगाने का कारण

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

(i) संचार का सबसे प्राचीन माध्यम कौन-सा है ?

(a) रेडियो (b) दूरदर्शन

(c) सिनेमा (d) समाचार-पत्र

(ii) दूरदर्शन के लिए ख़बर लिखने की बुनियादी शर्त आप किसे मानते हैं ?

(a) सरल भाषा में लेखन (b) दृश्य के साथ लेखन

(c) कम शब्दों में लेखन (d) ख़बर बताते हुए लेखन

https://www.evidyarthi.in/

(iii) खेल जगत से जुड़ी शब्दावली का उदाहरण है :

(a) स्टाकिस्टों की चौतरफ़ा बिकवाली

(b) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके

(c) चाँदी की चमक हुई फीकी

(d) सेंसेक्स आसमान पर

(iv) समाचार लिखते समय मुख्यतः कितने सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ?

(a) तीन (b) चार

(c) पाँच (d) छह

(v) सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन को पत्रकारिता की भाषा में क्या कहते हैं ?

(a) आलेख (b) विशेष लेख

(c) स्तंभ लेख (d) फ़ीचर

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

दिन भर के कार्य-भार से छुट्टी पाकर जब मैं कोई लेख समाप्त करने या भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ, तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकती है, मेरी हिरनी सोना तख्त के पैताने फर्श पर बैठ कर पागुर करना बंद कर देती है, कुत्ता बसंत छोटी मचिया पर पंजों में मुख रख कर आँखें मूँद लेता है और बिल्ली गोधूलि मेरे तकिए पर सिकुड़ कर सो रहती है ।

पर मुझे रात की निस्तब्धता में अकेली न छोड़ने के विचार से कोने में दरी के आसन पर बैठकर बिजली की चकाचौंध से आँखें मिच-मिचाती हुई भक्तिन, प्रशांत भाव से जागरण करती है । वह ऊँघती भी नहीं, क्योंकि मेरे सिर उठाते ही उसकी धुँधली दृष्टि मेरी आँखों का अनुसरण करने लगती है ।

(i) 'भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ' — से किस प्रकार की ध्वनि निकलती है ?

(a) डायरी लिखने की (b) कविता लिखने की

(c) लेख लिखने की (d) अनुभव लिखने की

https://www.evidyarthi.in/

(ii) 'तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकती है' — पंक्ति का आशय है :

(a) बिजली गुल होना

(b) रात अधिक होना

(c) अँधेरा होना

(d) छात्रावास में बिजली का न होना

(iii) गद्यांश के अनुसार लेखिका का जानवरों के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त हो रहा है ?

(a) प्रेम का (b) वात्सल्य का

(c) करुणा का (d) दया का

(iv) रात अधिक हो जाने के बाद भी भक्तिन जागने का प्रयास क्यों करती रहती थी ?

(a) जानवरों तथा लेखिका की देख-रेख के लिए

(b) रोशनी में नींद नहीं आने से

(c) लेखिका की जरूरत को पूरा करने के लिए

(d) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से

(v) गद्यांश के अनुसार भक्तिन का लेखिका के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त होता है ?

(a) सहयोग का भाव

(b) दास्य भाव

(c) स्वामी-भक्ति

(d) समर्पण का भाव

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) जब यशोधर पंत ने अपने आखिरी फ़ाइल का फीता बाँधा था तब घड़ी में क्या समय हो रहा था ?

(a) पाँच बजकर चालीस मिनट

(b) पाँच बजकर तीस मिनट

(c) पाँच बजकर पच्चीस मिनट

(d) पाँच बज रहे थे

https://www.evidyarthi.in/

(ii) 'जूझ' कहानी के लेखक का मन कहाँ जाने के लिए तड़पता था ?
- (a) सिनेमा जाने
- (b) खेलने जाने
- (c) खेत में जाने
- (d) पाठशाला जाने

(iii) 'मुअनजो-दड़ो' और 'हड़प्पा' को सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व दौर का शहर क्यों कहा गया है ?
- (a) सबसे पुराने होने से
- (b) पूर्ण विकसित होने से
- (c) सबसे उत्कृष्ट होने से
- (d) बहुत बड़ा होने से

(iv) 'मुअनजो-दड़ो' को छोटे-मोटे टीलों पर आबाद क्यों किया गया था ?
- (a) पहाड़ी इलाका होने से
- (b) बाढ़ से बचने के लिए
- (c) दूर से दिखने के लिए
- (d) बड़ा शहर होने से

(v) 'जूझ' कहानी में लेखक सुबह-शाम खेत पर, ढोर चराते आदि समय भी कविताओं में क्यों रमे रहते थे ?
- (a) अपने शिक्षक से प्रभावित होने से
- (b) खेत पर अकेले होने से
- (c) कविता याद करने के लिए
- (d) कविताओं में मन रमने से

(vi) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना हो सकती है :
- (a) मानवीय मूल्यों का संकट
- (b) पीढ़ी का अंतराल
- (c) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
- (d) पारिवारिक असहमति

https://www.evidyarthi.in/

(vii) 'जब चारों ओर कोल्हू चलने लगते तो बाज़ार में गुड़ की बहुतायत हो जाती और भाव नीचे उतर आते' — पंक्ति से यह पता चलता है कि :

(a) कोल्हू अधिक चलने पर गुड़ अधिक बनता है

(b) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है

(c) गुड़ अधिक हो जाने पर माँग कम होती है

(d) भाव पर गुड़ का उत्पादन निर्भर रहता है

(viii) 'मुअनजो-दड़ो' के बारे में धारणा है कि 'अपने दौर में वह सिंधु घाटी की सभ्यता का केन्द्र रहा होगा' — पंक्ति में 'केंद्र' से क्या अभिप्राय है ?

(a) प्रमुख गाँव

(b) राजधानी

(c) व्यवसायिक-स्थल

(d) शिक्षा-स्थल

(ix) वसंत पाटील का कक्षा में सम्मान क्यों था ?

(a) वह मॉनीटर था

(b) कक्षा में आगे बैठता था

(c) पढ़ने में होशियार एवं शांत था

(d) मास्टरों का लाड़ला था

(x) 'ड्रेसिंग गाउन' पहनते हुए यशोधर बाबू की आँखों में नमी क्यों आ गई थी ?

(a) भूषण के व्यवहार के कारण

(b) किशनदा के याद आने के कारण

(c) केवल (a)

(d) (a) और (b) दोनों

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) साइकिल का पंचर लगाता बच्चा

(ख) मैं मतदान करने गया

(ग) जब मेट्रो रेल की बिजली गुल हुई

(घ) कठपुतली का नाच

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय हमें किस प्रकार की सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

(ख) रेडियो पर किस तरह के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ? 19वीं शताब्दी में इसकी लोकप्रियता का क्या कारण था ?

(ग) लेखन से आप क्या समझते हैं ? लेखन के लिए अभ्यास क्यों आवश्यक है और कैसे ?

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) मुद्रित माध्यमों के संदर्भ में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य चार बातों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और प्रिंट माध्यम में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) उलटा पिरामिड शैली क्या है ? इसका प्रयोग कहाँ होता है ?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) तुलसी ने अपने पद ‘धूत कहौ, अवधूत कहौ …’ में अपने स्वाभिमान को कैसे व्यक्त किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ‘छोटा मेरा खेत’ कविता में कवि ने कागज के पन्ने को खेत की तरह क्यों कहा है ? समझाइए ।

(ग) ‘उषा’ कविता में प्रकृति में होने वाला परिवर्तन मानवीय जीवन-चित्र बन कर किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ?

https://www.evidyarthi.in/

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि को यह संसार अपूर्ण क्यों लगता है ?

(ख) कविता और फूलों के बीच की समानता और अंतर को 'कविता के बहाने' कविता के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) कृषक अधीर होकर बादल को क्यों बुलाता है ? 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए ।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'भक्तिन' पाठ के कथन "मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है" — का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप नहीं मानने के पीछे डॉ. आंबेडकर के तर्क का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी द्वारा कराये गये उन रीतिरिवाजों, अनुष्ठानों का उल्लेख कीजिए जिन्हें लेखक अंधविश्वास कहता था ।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में बाज़ार को सार्थकता प्रदान करने का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) लुट्टन किसे अपना गुरु मानता था और क्यों ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) 'शिरीष के फूल' पाठ में शिरीष वृक्ष को उसकी किन विशेषताओं के कारण अवधूत कहा गया है ?

https://www.evidyarthi.in/